वार्तालाप-579 कोयम्बतूर, दिनांक 05.06.08
Disc.CD No.579, dated 05.06.08 at Coimbatore
Extracts-Part-1

समयः 00.10-02.56

जिज्ञासुः बाबा, हमको वार्तालाप नहीं चाहिए।

बाबाः वार्तालाप नहीं करेंगे? क्यों, क्या हुआ? बातचीत करना, रूह-रुहान करना खराब बात होती है क्या?

जिज्ञासुः बाप से प्रश्न पूछने की जरूरत नहीं।

बाबाः प्रश्न क्यों पूछना। रूह-रूहान करना। जैसे बाप रूह-रूहान करते हैं, बच्चे रूह-रूहान नहीं कर सकते?

जिज्ञासुः डाउट्स (doubts) नहीं है बाबा।

बाबाः डाउट्स (doubts) भी तो दो तरह के होते हैं। अच्छा, जब बाप प्रश्न पूछेंगे तो जवाब देना पड़ेगा ना। अगर बच्चे जवाब नहीं देते तो बाप को जवाब देना पड़े ना। अगर अंदर कोई संशय आता है... और संशय तो सभी को आता है। ऐसा कोई है जिसको संशय नहीं आता हो? अच्छा जन्म-मरण के चक्कर में, जन्म-मरण के चक्कर में सभी आते हैं या कोई ऐसा है जो नहीं आता हो?

जिज्ञासुः सभी आते हैं।

Time: 00.10-02.56
Student: Baba, we don't want a discussion [class].
Baba: Won't you discuss? Why? What happened? Is it bad to talk, to have a spiritual chit-chat?
Student: There is no need to put questions to the Father.
Baba: Why ask questions; have a spiritual chit-chat. Can't children have a spiritual chit-chat just as the Father has spiritual chit-chat?
Student: Baba, we don't have any doubts.
Baba: Doubts also are of two kinds. OK, you will have to answer when the Father asks questions, will you not? If the children do not reply, the Father will have to reply, will He not? If you develop any doubt inside… and everyone certainly develops doubt. Is there anyone who does not develop any doubt? OK, all pass through the cycle of birth and death or is there anyone who does not pass through it?
Student: All pass through it (cycle).

बाबाः सभी आते हैं। जन्म-मरण का चक्कर यहाँ कौनसा है?

जिज्ञासुः निश्चय-अनिश्चय।

बाबाः निश्चय-अनिश्चय का। निश्चय माना जिन्दा होना। अनिश्चय माना? मृत्यु को पाना। तो मरते तो सभी हैं। जिन्दा भी होते हैं, मरते भी हैं। घड़ी-घड़ी निश्चय पैदा होता है घड़ी-घड़ी?

जिज्ञासुः अनिश्चय।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः अनिश्चय पैदा होता है। तो जब अनिश्चय पैदा होता है तो कोई प्रश्न खड़ा हो जाता है कि नहीं? अरे माया कोई प्रश्न खड़ा कर देती है तभी तो अनिश्चय की बात लाती है। तो समाधान नहीं करना चाहिए? अंदर-अंदर रखेंगे, अनिश्चय की बात अंदर रखेंगे तो माने कचड़ा रखेंगे। कचड़ा अंदर रहेगा तो क्या होगा? पेट में कचड़ा इकट्ठा होता रहे तो क्या, फिर उसका रिज़ल्ट क्या होगा? बीमारी, कोई न कोई भयंकर बीमारी निकल पड़ेगी। इसलिए बुद्धि रूपी पेट को साफ रखना चाहिए। ऐसे भी नहीं कि हम कुछ पूछेंगे नहीं। हम पूछेंगे तो हम विधर्मी हो जायेंगे। अभी तो देवता कोई नहीं है। सभी हिन्दू ही हिन्दू हैं। हिन्दू हैं कि देवता हैं? क्या हैं? हम हिन्दू कहेंगे थोड़ेही। हम कहेंगे, हम तो ब्राह्मण हैं।

जिज्ञासुः हम हिन्दू नहीं हैं।

बाबाः हम हिन्दू थोड़ेही हैं। ब्राह्मण हैं। हाँ, सूर्यवंशी ब्राह्मण बन रहे हैं।

Baba: All pass [through the cycle of birth and death]. Which is the cycle of birth and death here?

Student: Faith (*nishchay*) and doubt (*anishchay*).

Baba: Of faith and doubt. Faith means coming to life. Doubt means? To die. So, everyone dies. They come to life as well as die. Every moment they develop faith and every moment they…?

Student: Lose faith.

Baba: They develop doubt. So, when they develop doubt, does any question arise or not? *Arey*, doubt arises only when *Maya* raises a question. So, should you not solve it? If you keep it inside, if you keep the doubt inside, it means you will keep the rubbish inside. What will happen if you keep the rubbish inside? What will be the *result* if the rubbish keeps accumulating in the stomach? Some disease, some or the other dangerous disease will emerge. This is why, you should keep the stomach-like intellect clean. It should not be so: 'we will not ask anything. If we ask questions we will become *vidharmis* (heretics)'. Now nobody is a deity. Everyone is a Hindu. Are we Hindus or deities? What are we? We won't say that we are Hindus. We will say that we are Brahmins.

Student: We are not Hindus.

Baba: We are not Hindus. We are Brahmins. Yes, we are becoming *Suryavanshi* Brahmins.

समयः 03.16-04.20

जिज्ञासुः बाबा, भाई पूछ रहे हैं - भक्तिमार्ग में राम और सीता के साथ लक्ष्मण को भी जोड़करके रखकर, पूजा करते हैं ना। भरत, शत्रुघ्न को रखते नहीं। ऐसे क्यों?

बाबाः बुद्धियोग की बात है। माना, भरत, शत्रुघ्न को नहीं रखते उनके साथ। भरत, शत्रुघ्न को तब रखते हैं जब राजगद्दी होती है। जब संपन्न स्टेज होती है, रिजल्ट निकल जाता है तब रखते हैं। लेकिन मोस्टली (mostly) राम-सीता के साथ लक्ष्मण को ही रखते हैं। इसका मतलब ये हुआ कि शत्रुघ्न और भरत, वो बुद्धियोग से राम के साथ नहीं रहते हैं मोस्टली। वो विपरीतबुद्धि विनश्यंती की लिस्ट में हो गए। दूसरे धर्म में कनवर्ट होने वाली आत्मायें हैं। इसलिए वो विरोध करती हैं तो साथ नहीं रहते बुद्धियोग से। और लक्ष्मण की आत्मा? बुद्धियोग से साथ रहती है। इसलिए लक्ष्मण को साथ में दिखाया जाता है।

Time: 03.16-04.20

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: Baba, the brother is asking, Lakshman is also shown and worshipped along with Ram and Sita in the path of *bhakti*, isn't he? They do not keep Bharat, Shatrughna [with Ram]. Why is it so?
Baba: It is about the connection of the intellect. Meaning Bharat, Shatrughna are not shown along with them (Ram, Lakshman and Sita). Bharat, Shatrughna are shown only when the coronation [of Ram] takes place. They are shown when they achieve the perfect stage, when the *result* is out. But *mostly* only Lakshman is shown along with Ram and Sita. It means that Shatrughna and Bharat *mostly* do not remain with Ram through the connection of their intellect. They are included in the *list* of '*vipreetbuddhi vinashyanti'* (those with an opposite intellect are destroyed). They are the souls who *convert* into other religions. This is why they oppose. Thus, they do not remain with him through the connection of the intellect. And what about the soul of Lakshman? It remains with him through the connection of the intellect. Therefore, Lakshman is shown with them (Ram and Sita).

समयः 04.40-05.50

जिज्ञासुः राम के साथ लक्ष्मण को दिखाते हैं और कृष्ण के साथ बलराम को दिखाते हैं।
बाबाः महाभारत में कृष्ण के साथ बलराम, रामायण में भी लक्ष्मण के साथ राम, दोनों ही शेषनाग के अवतार दिखाये जाते हैं। वास्तव में जो कृष्ण और राम हैं, वो हीरो हीरोईन हैं इस सृष्टि रूपी रंगमंच के। इसलिए चाहे महाभारत हो तो भी यही चल रहा है। रामायण है तो भी रामायण भी यही चल रही है। जगन्नाथपुरी में जो बलराम और कृष्ण दिखाए गए हैं, वो कोई दूसरे नहीं हैं। राम और कृष्ण की ही यादगार हैं। एक राम दूसरा कृष्ण और अगला एक सुभद्रा दिखाई गई है। सुभद्रा जरूर है। रुद्रमाला का कोई मणका है, श्रेष्ठ मणका है जो उनके साथ सदैव दिखाया गया है। और सबने विरोध किया है, और मणकों ने। मगर एक मणका ऐसा भी है जो आदि से अंत तक विरोधी नहीं बनता है।

Time: 04.40-05.50
Student: Lakshman is shown along with Ram, and Balram is shown along with Krishna.
Baba: Balram [is shown] along with Krishna in Mahabharata and Lakshman [is shown] along with Ram in Ramayana, both are shown as the incarnations of *Sheshnaag* (a snake named *Shesha*). Actually, Krishna and Ram are the *hero* and *heroine* of this world stage. This is why the same thing is going on in Mahabharata as well as the same is the case in Ramayana. Balram and Krishna shown in *Jagannathpuri* (a place in Orissa) are not anyone else. They are memorials of Ram and Krishna themselves. One is Ram, the second is Krishna and one Subhadra is shown. Subhadra is certainly present. She is a bead, an elevated bead of the *Rudramala* (the rosary of *Rudra*) who is always shown with them. All the others, the other beads have opposed [the Father]. But there is one such bead also who does not become an opponent from the beginning till the end.

समयः 06.05-07.05

जिज्ञासुः कृष्ण और ब्रह्मा की सोल एक ही है क्या, पूछ रहे हैं।
बाबाः ब्रह्मा की सोल माना कृष्ण की सोल। ब्रह्मा की सोल ही तो कृष्ण की सोल है। अभी वहाँ से शरीर छोड़ दिया तो भी किसके साथ है? राम के साथ है। माना राम, लक्ष्मण की जोड़ी तो अभी भी है। साथ ही तो है। और? ऐसे भक्तिमार्ग की ढ़ेर सारी बातें हैं जो क्लीयर

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

करने के लिए हैं बाकी पड़ी हुई। जब तक ये भक्तिमार्ग की सारी बातें क्लीयर नहीं होंगी तब तक बड़े-बड़े विद्वान, पंडित, आचार्य मानने वाले नहीं हैं।

Time: 06.05-07.05
Student: He is asking whether the soul of Krishna and Brahma are one and the same.
Baba: Brahma's *soul* means the *soul* of Krishna. Brahma's *soul* itself is the *soul* of Krishna. Now, he has left the body there; yet, with whom is he? He is with Ram. It means that the pair of Ram and Lakshman still exists. They are indeed together. Anything else? There are many such topics of the path of *bhakti* which are yet to be clarified. Unless all these topics of the path of *bhakti* become *clear*, the big scholars, pundits, *acharyas* (teachers) are not going to accept.

Extracts-Part-2

समयः 09.45-11.40

जिज्ञासुः बारह ज्योतिर्लिंगम दिखाते हैं ना। उसमें अमरनाथ, बारह में अमरनाथ लिंग नहीं आता है। क्यों?

बाबाः वो तो बनता-बिगड़ता रहता है।

जिज्ञासुः वो बर्फ का है।

बाबाः हाँ, बर्फ पिघल गई, लिंग पिघल गया। और? जो अमरनाथ है, देवताओं का नाथ, वो देवता होगा या भगवान होगा?

जिज्ञासुः देवता।

बाबाः देवताओं का नाथ भी देवता ही होगा। नारायण ही देवताओं का नाथ है। नारायण वाली आत्मा की सदैव निर्विकारी स्टेज रहती है क्या, 84 जन्म? (किसी ने कहा: नहीं।) फिर? बर्फ का लिंग का मतलब क्या है? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) लिंग तो है। लेकिन गर्मी नहीं है। ठण्डक है। तुम्हारी इन्द्रियाँ शीतल हो जायेंगी। क्या मतलब हुआ? इन्द्रियों का भोग भी अगर सामने पड़ा हुआ हो तो भी इन्द्रियों में, इन्द्रियाँ जो हैं वो शीतल रहें, गर्मी न आये। वो सैदव रहता है? वो आत्मा के लिए सदैव रहता है या सिर्फ संगमयुग में ही ऐसा होता है? कबकी बात है? यह सिर्फ संगमयुग की बात है। सतयुग त्रेता में रहेगा; वहाँ की तो बात ही नहीं। सतयुग त्रेता में तो वो इन्द्रियाँ होती ही नहीं हैं।

Time: 09.45-11.40
Student: Twelve *jyotirlingams* are shown, aren't there? Amarnath *ling* is not included among them, among the twelve [lingams]. Why?
Baba: It keeps forming and melting.
Student: It is a *ling* made up of ice.
Baba: Yes, when the ice melts, the *ling* melts. Anything else? Will Amarnath, the controller of the deities be a deity or God?
Student: A deity.
Baba: The controller of the deities also will be a deity. Narayan himself is the controller of the deities. Does the soul of Narayan remain in an incorporeal stage always, for 84 births? (Someone said: No.) Then? What is meant by *ling* of ice? (Student said something.) It is no

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

doubt a *ling*. But it does not have warmth. It is cold. Your organs will become cool. What does it mean? Even if the pleasure for the organs is available in front of us, they should remain cool, they should not become excited. Does it (that stage) remain always? Does it (that stage) remain forever for that soul or does it happen only in the Confluence Age? It is about which time? It is only about the Confluence Age. If it is about the Golden Age and the Silver Age; it is not about that time at all. Those organs do not exist in the Golden Age and Silver Age at all.

समयः 12.05-14.55

जिज्ञासुः महाभारत के युद्ध में पाण्डवों के तरफ सात लोग बचे हुए हैं और.....

बाबाः सात नहीं, सात अक्षौणी।

जिज्ञासुः कौरवों के तरफ तीन लोग ही बचे हुए हैं। ऐसे कुछ।

बाबाः कौरवों की तरफ ग्यारह अक्षौणी। और पाण्डवों की तरफ सात अक्षौणी अंत में, टोटल 18 अक्षौणी। माने जब युद्ध शुरु हुआ था तो पाण्डव सिर्फ पांच ही थे। और बाकी 18 अक्षौणी सारी? कौरवों की तरफ थी । लेकिन फिर धीरे-धीरे कन्वर्शन होने लगा। सन् 76 के बाद क्या हुआ? कन्वर्शन होना शुरु हो गया। तो संख्या बढ़ेगी पाण्डवों की या घटेगी?

जिज्ञासुः बढ़ेगी।

बाबाः तो बढ़ते-बढ़ते-2 सात अक्षौणी पाण्डवों की तरफ हो गए। और 11 अक्षौणी उनके रह गये। माने दुनिया में जो संख्या है वो और-और धर्म वालों की ज्यादा होती है या अच्छे लोगों की संख्या ज्यादा होती है, राइटियस की?

जिज्ञासुः और धर्म वालों की।

Time: 12.05-14.55
Student: In the Mahabharata war, there were seven people on the side of the Pandavas and...
Baba: Not seven; it is seven *akshohini.*
Student: Only three people survived on the side of the Kauravas. It is something like this.
Baba: Eleven *akshohini* were on the side of the Kauravas and there were seven *akshohini* on the side of Pandavas in the end; [thus making] 18 *akshohini* in *total.* It means that when the war began, there were only five Pandavas. And what about the remaining 18 *akshohini*? They were on the side of the Kauravas. But slowly *conversion* began. What happened after the year [19]76? *Conversion* started. So, will the number of Pandavas increase or decrease?
Student: It will increase.
Baba: So, while gradually increasing, seven *akshohini* came on the side of the Pandavas. And 11 *akshohini* were left on their (Kauravas) side. It means, is the number of people belonging to other religions more or is the number of the good, righteous people more?
Student: The number of the people belonging to other religions [is more].

बाबाः झाड़ के चित्र में देवता धर्म सूर्यवंश, क्षत्रीय वंश , बौद्धी, सन्यासी, सिक्ख ये राइटियस हैं। और लेफ्टिस्ट हैं - इस्लामी, क्रिश्चियन, मुस्लिम और नास्तिक।

जिज्ञासुः आर्य समाज।

बाबाः आर्य समाज तो सबमें हैं। तो लेफ्टिस्ट की संख्या दुनिया में ज्यादा है या राइटियस की संख्या ज्यादा है?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः लेफ्टिस्ट।

बाबाः अभी भी लेफ्टिस्ट ज्यादा है। तो 11 अक्षौणी लेफ्टिस्ट हैं। वो कन्वर्ट नहीं होते। वो नहीं बदलकरके पाण्डव बनेंगे। बाकी सब सात अक्षौणी कन्वर्ट हो करके पाण्डव बन गए। जितने भी बौद्धी हैं वो सारे कन्वर्ट हो गए क्रिश्चियन धर्म में, मुस्लिम धर्म में। वो सब आ जायेंगे। जितने भी सन्यासी हैं वो सब विदेशों में जा रहे हैं। वो सब इधर आ जायेंगे। जितने भी सिक्ख हैं वो सारे ही विदेशों में चले गये। वो सारे इधर कन्वर्ट हो जायेंगे। इसलिए संख्या 5 से बढ़ कर कितनी हो जाती है ?

जिज्ञासुः सात अक्षौणी।

बाबाः सात अक्षौणी। फिर भी ज्यादा संख्या किसकी रहती है? (किसी ने कहा- कौरवों की।) फिर भी कौरवों की संख्या ज्यादा रहती है। क्योंकि दुनिया में कौरवों की संख्या है ही ज्यादा। टोटल मिला के 18 अक्षौणी माने 500-700 करोड़ हैं।

Baba: In the picture of the [Kalpa] Tree, the Deity religion, the Sun dynasty, the *Kshatriya* dynasty, Buddhists, *Sanyasis*, Sikhs are righteous. And the leftists are – Islamic people, Christians, Muslims and atheists.

Student: Arya Samaj.

Baba: Arya Samaj is in all of them. So, is the population of the leftists more in the world or is the population of the *righteous* ones more?

Student: Leftists.

Baba: Even now the leftists are more [in number]. So, 11 *akshohini* are *leftist*. They do not *convert*. They will not convert to become Pandavas. The remaining seven *akshohini* will convert and become Pandavas. All the Buddhists who have converted into Christian religion, into Muslim religion; all of them will come [back]. All the *sanyasis* are going to the foreign countries. All of them will come to this side (the side of Pandavas). All the Sikhs have gone to the foreign countries. All of them will *convert* to [the religion on] this side. This is why the number increases from five… to how much?

Student: Seven *akshohini.*

Baba: Seven *akshohini*. Yet, whose number is more? (Someone said – of the Kauravas.) Still, the number of Kauravas is more because the number of Kauravas in the world is anyhow more. There are 18 *akshohini,* i.e. 500-700 crores (5-7 billion) in *total*.

समयः 15.25-17.05

जिज्ञासुः ज्ञान में नौ गोत्र कुल कहा जाता है लेकिन भक्ति में अभी पचास हज़ार गोत्र कहा जाता है। ऐसा क्यों बाबा?

बाबाः मुख्य-मुख्य। जैसे 9 धर्म हैं, जैसे भगवान से प्राप्ति करने वाले धर्म कितने हैं?

जिज्ञासुः 9 धर्म।

बाबाः 9 धर्म हैं। ऐसे ही उन 9 धर्मों को शुरुआत करने वाले 9 ऋषि हुए हैं। उन ऋषियों के नाम शास्त्रों में गाए हुए हैं। कश्यप, भरद्वाज, ऐसे-ऐसे नाम डाल दिये हैं। पचास हज़ार तो उनको कहेंगे जो सृष्टि की शुरुआत में थे असल सूर्यवंशी, असल बीज। सृष्टि की जब शुरुआत हुई थी तो सतयुग की आदि में कितने थे?

जिज्ञासुः 9 लाख।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः 9 लाख तो टोटल हैं। असल सूर्यवंशी कितने हैं? 9 लाख में तो साढ़े चार लाख तो जन्म न देने लेने वालें हैं। फिर जन्म देने वाले कितने हैं?

जिज्ञासुः साढ़े चार लाख।

बाबाः साढ़े चार लाख। साढ़े चार लाख में असल सूर्यवंशी कितने हैं?

जिज्ञासुः पचास हज़ार।

बाबाः पचास हज़ार। तो पचास हज़ार वो गोत्र बता दिये हैं। उन्हीं से सृष्टि पैदा हुई, इसलिए पचास हज़ार गोत्र बता दिये है। हैं थोड़े ही पचास हज़ार गोत्र। उन पचास हज़ार के भी मूल बीज कौन हैं? वो ही नौ।

Time: 15.25-17.05

Student: It is said in knowledge that there are total nine *gotras* (categories), but in [the path of] *bhakti* it is said that there are fifty thousand *gotras*. Why is it so Baba?

Baba: The main ones. For example, there are nine religions; how many religions achieve attainments from God?

Student: Nine religions.

Baba: There are nine religions. Similarly, there were nine sages who started those nine religions. The names of those sages are famous in the scriptures. They were given names like Kashyap, Bharadwaaj, etc. Fifty thousand are those who were in the beginning of the world, the true *Suryavanshis,* the original seeds. When the world began, how many existed in the beginning of the Golden Age?

Student: Nine lakhs (900 thousand).

Baba: Nine lakhs are in *total*. How many are true *Suryavanshis*? Among the nine lakhs , four and a half lakh (450 thousand) souls are those who don't give birth. Then, how many are those who give birth?

Student: Four and a half lakhs.

Baba: Four and a half lakhs. How many are true *Suryavanshis* among the four and a half lakhs?

Student: Fifty thousand.

Baba: Fifty thousand. So, they have mentioned those fifty thousand *gotras*. The world was born only through them; this is why fifty thousand *gotras* have been mentioned. There aren't fifty thousand *gotras* in reality? Who are the original seeds even of those fifty thousand? The same nine [seeds]…. (to be continued)

Extracts-Part-3

समयः 17.15-18.05

जिज्ञासुः दुनिया में ऐसे चल रहा है - मनुष्यों को पूर्व जन्मों के पाप के अनुसार, पाप-पुण्य के अनुसार ही अभी दुःख अनुभव करते हैं। ऐसा समझाते हैं। लेकिन जानवर, वो भी दुःख अनुभव करते हैं ना। पूर्व जन्मों में ऐसे काम करते हैं क्या?

बाबाः उनके भी पाप-पुण्य बनते हैं। चौपायें जानवरों के पाप-पुण्य बनते हैं। चौपाये जानवर जब सिंह बनते हैं तो ज्यादा पाप करता है, फिर सिंह जो हैं वो अगले जन्म में जा करके बकरी बन जाएगा।

Time: 17.15-18.05

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: It is said in the world – we experience sorrow as per the sins committed in the past births, as per the sins or noble acts performed in the past births. They explain like this. But even the animals experience sorrow, don't they? Do they perform such actions in the past births?
Baba: They too commit sins or noble actions. The four-legged animals accumulate [the result of] sins and noble deeds. When the four-legged animals become lions, they commit more sins, then the lion will become a goat in the next birth.

समयः 18.38-19.52

जिज्ञासुः हरिजन होते हैं ना अछूत। उनको क्यों - छूना नहीं - ऐसे क्यों बोलते हैं?

बाबाः ब्राह्मण रहते हैं, क्षत्रीय रहते हैं, वैश्य रहते हैं, ये अलग-अलग जातियाँ क्यों बना दी? अभी यहाँ ब्राह्मणों की दुनिया में हरि कौन है? हरि किसे कहा जाता है?

जिज्ञासुः ब्रह्मा।

Time: 18.38-19.52
Student: There are *harijans*, the untouchables, aren't there? Why do people say that we should not touch them? Why do they say so?
Baba: There are Brahmins, *kshatriyas* (warriors), *vaishyas* (merchant class); why were these separate castes created? Now here in the world of Brahmins, who is *hari*? Who is called *hari*?
Student: Brahma.

बाबाः हरि माने जो पापों का हरण करने वाला है। वो ही तो हरि है - भगवान। भगवान के जो बने हुए बैठे हैं, उनको याद करते हैं ब्रह्माकुमारी? बुद्धि से छूते हैं? बुद्धि रूपी हाथ से छूना पसन्द करते हैं? आँखों से देखना पसन्द करते हैं? उनके साथ रहना पसन्द करते हैं? उनके साथ खाना खायेंगे? कहाँ की यादगार है?

जिज्ञासुः संगमयुग की यादगार है।

बाबाः संगमयुग की यादगार है। तो हरिजन कौन हुए?

जिज्ञासुः हम।

बाबाः हम ही हरिजन हो गये।

Baba: *Hari* means the one who takes away the sins. He himself is *Hari* – God. Do the Brahmakumars remember the ones who have become God's children? Do they touch them through the intellect? Do they like to touch them through their hand-like intellect? Do they like to see them through the eyes? Do they like to live with them? Will they eat with them? It is a memorial of when?
Student: It is a memorial of the Confluence Age.
Baba: It is a memorial of the Confluence Age. So, who are *harijans* (children of God)?
Student: We.
Baba: We ourselves are *harijans*.

समयः 20.47-23.08

जिज्ञासुः भाई बोलते हैं - स्वप्न में आता है तो पूर्वजन्म की बात भी स्वप्न रूप में आ रहा है...।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः स्वप्न में आए, चाहे संकल्प में आए, स्वप्न में आता है तो अचेतन मस्तिष्क में आती है बात। और अभी संकल्पों में आती है जीते जागते, जागते समय तो अचेतन मस्तिष्क नहीं काम करता है। चेतन मस्तिष्क काम कर रहा है। है तो मस्तिष्क ही। मन के अन्दर ही बात आई। मन जो है वो सुषुप्त अवस्था में होता है तब कुछ नहीं आता। जब vअचेतन होता है तब फिर स्वप्न आते हैं। ये तो पूर्वजन्मों की रील घूमती रहती है।

Time: 20.47-23.08

Student: The brother says, the topics of previous birth also come in the dreams...

Baba: Whether it comes in dreams, or thoughts; if it comes in the dreams, it comes in the sub conscious mind. And if it comes now in the thoughts while being conscious, the sub conscious mind does not work while being awake. The conscious mind is working. It is the mind after all. The topic emerged in the mind itself. When the mind is in the stage of sleep, nothing comes [in the mind]. When it is sub conscious, we get dreams. The reel of past births keeps rotating.

जिज्ञासुः ऐसे ही आगे आने वाले जन्मों के बारे में स्वप्न होता है क्या?

बाबाः स्वप्न भी होगा, साक्षात्कार भी होगा। जब आत्मा सात्विक बनेगी लेकिन ज्ञानी नहीं बनेगी तो उनको साक्षात्कार होगा, उनको स्वप्न आएगा। और जो ज्ञानी होंगे, वो ज्ञान के आधार पर सारी बात क्लीयर कर लेंगे। उऩको स्वप्न में विश्वास नहीं होगा। हां, संकल्प चलेंगे उनके। उन संकल्पों के आधार पर वो पहचान लेंगे कि हमारा ऐसा-ऐसा जन्म हुआ था। तमोप्रधान आत्मा के तमोप्रधान संकल्प चलते हैं। सतोप्रधान आत्मा के सात्विक संकल्प चलते हैं। तो झूठे संकल्प किसके होंगे और सच्चे किसके होंगे?

जिज्ञासुः तमोप्रधान आत्मा।

बाबाः तमोप्रधान आत्मा के झूठे संकल्प होंगे और सतोप्रधान आत्मा के संकल्प भी सच्चे हो जाएंगे। जो संकल्प किया वो ही सच्चा साबित हो जाएगा। चाहे अपने बारे में और चाहे दूसरों के बारे में। वो जन्म क्लीयर नहीं हो जाएंगे?

Student: Similarly, do we see the future births in dreams?

Baba: You will have dreams as well as visions. When the soul becomes pure, but is not knowledgeable, they will have visions, dreams. And those who are knowledgeable, they will *clear* everything on the basis of knowledge. They will not believe in dreams. [But] yes, they will have thoughts. On the basis of those thoughts they will realize that they had such births. A *tamopradhan* soul creates *tamopradhan* thoughts. A *satopradhan* soul creates *satopradhan* thoughts. So, who will have false thoughts and who will have true thoughts?

Student: A *tamopradhan* soul [will have false thoughts].

Baba: A *tamopradhan* soul will have false thoughts and the thoughts of a *satopradan* soul will be proved to be true. Whichever thought it creates will be proved to be true, whether it is about ourself or about others. Will those births not become *clear* [for them]?

समयः 25.40-28.00

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः ब्रह्माकुमारीज़ सेलम में ब्रह्माकुमारी सेन्टर है ना। वहाँ से बहन आकरके जिसने ज्ञान को छोड़कर चले गए हैं, उनको देखने के लिए माउंट आबू में बाबा चाहते हैं। इसलिए आप आना है, ऐसे बोलकरके चले गए।

बाबाः जो ज्ञान छोड़करके चले गए, उनको बाबा देखना चाहते हैं? आप लोग माउंट आबू में आईए? अच्छा। तो कोई गया?

जिज्ञासुः पिछले हफ्ते ही बोला है।

बाबाः पिछले हफ्ते बोला है? अभी इकट्ठे कर रहे हैं? वो इकट्ठा करने का काम एडवांस पार्टी कर रही है। जो बी.के से टूटते जा रहे हैं, बी.के से बिछड़ते जा रहे हैं, उनको इकट्ठा करने का काम एडवांस पार्टी कर रही है। आप उन्हें बताइये। ये काम आपका नहीं है। आपके इकट्ठे करने से वो इकट्ठे नहीं होंगे, न बापदादा के पास जाएंगे।

Time: 25.40-28.00

Student: There is a Brahmakumari center in Salem, isn't there? A sister came from there and said that Baba wants to meet in Mount Abu all those who have left the knowledge. This is why you have to come. She said this and went away.

Baba: Baba wants to see those who have left the knowledge? Come to Mount Abu? *Accha*. So, did anyone go?

Student: They said this last week.

Baba: They said this last week? Are they gathering now? The Advance Party is doing that task of gathering [people]. Advance Party is doing the task of bringing together all those who are breaking away from BK (basic knowledge), separating from the BK (basic knowledge). Tell them: This is not your task. They will not come together if you bring them together, nor will they go to meet Bapdada.

जिज्ञासुः नहीं, नहीं। उन्होंने हमें, इनको वहाँ बुलाये हैं।

बाबाः बुलाया है तो उनको ये जवाब देना चाहिए कि वंचित हुई आत्माओं को इकट्ठा करने का काम एडवांस पार्टी कर रही है। ये आपका काम नहीं है। न आप उनको उठा पायेंगे। जैसे लक्ष्मण मूर्छित हो गया ना। लक्ष्मण को मूर्छा दिखाते हैं ना। तो लक्ष्मण मूर्छा होने के बाद उसको सुरजित करने का काम सिवाए हनूमान के और कोई कर नहीं सकता। ये संजीवनी बूटी लाना हम हनूमान का काम है, महावीरों का काम है। आप नहीं कर पायेंगे। ये एडवांस पार्टी में जितने भी ज्ञान में चल रहे हैं, वो सब सुरजित हुए पड़े हैं। पहले मर गए थे, अनिश्चयबुद्धि हुए पड़े थे। फिर सब सुरजित हो गए।

Student: No, no. [Not] us, they have called these ones there.

Baba: If they have called, you should reply that the advance party is doing the task of bringing together the deprived souls. This is not your task, nor will you be able to uplift them. For example, Lakshman lost consciousness, didn't he? Lakshman is shown to have become unconscious. So, after losing consciousness, nobody except Hanuman can perform the task of restoring the consciousness of Lakshman. Brining the *sanjiivani booti* (life-giving herb) is the task of us Hanumans, it is the work of *Mahaviirs* (the bravest ones). You (the BKs) will not be able to do that. All those who are following the path of knowledge in advance party have regained consciousness. They had died earlier, they had lost faith. Then, all of them have regained consciousness.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Extracts-Part-4

समयः 29.45-36.41

जिज्ञासुः भाई लोग पूछते हैं - मुरली में बोले हैं ना, इस्लाम धर्म वाले कोयले को आग करके उसके ऊपर चलेंगे। ऐसे बोला है।

बाबाः मुसलमान धर्म वाले ना। हाँ। जो मुसलमान हैं, वो अलाव लगाते हैं। गड्ढ़ा खोदते हैं, उसमें कोयला भर देते हैं, जला देते हैं कोयले को, फिर उसके ऊपर चलते हैं। वो उनकी परम्परा है भक्तिमार्ग की। लेकिन यहाँ क्या होता है? यहाँ जो इस्लाम धर्म में कनवर्ट होने वाली आत्मायें हैं वो कन्वर्ट होने वाली आत्मायें आग खाती हैं, आगाखाँ के फालोवर हैं। क्या खातीं?

जिज्ञासुः आग।

बाबाः आग। कौनसी आग?

जिज्ञासुः कामाग्नि।

बाबाः कामाग्नि की आग। तो वो आग के ऊपर चलते हैं। तो तमिलनाडु से तुमने क्यों देख लिया?

जिज्ञासुः तमिलनाडु में ऐसे ही ...

Time: 29.45-36.41

Student: The brothers are asking, it has been said in the Murli that people belonging to Islam will walk on burning coal.

Baba: The Muslims, isn't it? Yes. The Muslims light fire in the open. They dig a pit, fill it with coal, burn the coal and then walk on it. That is their tradition of the path of *bhakti*. But what happens here? The souls who convert in Islam here eat fire. They are followers of Aaga Khan (a Muslim king). What do they eat?

Student: Fire (*aag*).

Baba: Fire. Which fire?

Student: The fire of lust (*kamaagni*).

Baba: The fire of lust. So, they walk on fire. So, why did you see that in Tamilnadu?

Student: A similar thing happens in Tamilnadu...

बाबाः वो तो उत्तर भारत में भी होता है। उत्तर भारत में भी अलाव लगाते हैं। उत्तर भारत में भी और दक्षिण भारत में भी। तुम अपने को मुसलमान क्यों समझते हो? मुसलमान आत्मा होती है या शरीर होता है?

जिज्ञासुः शरीर।

बाबाः ये शरीर इस जन्म में पैदा हो गया तमिलनाडु में। क्या पिछले जन्म सारे तमिलनाडु में ही पैदा हुए हैं?

जिज्ञासुः नहीं, नहीं।

बाबाः पिछले जन्म सारे ही तमिलनाडु में पैदा होते तो इस एडवांस ज्ञान में क्यों आते? एडवांस ज्ञान में आए इसका मतलब जो अच्छी-2 आत्मायें है वो विदेश में भेजी गई हैं सेवा

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

करने के लिए। क्या? ये नहीं समझो कि हम विदेशी हैं। क्या? हम विदेशी धर्मों में कनवर्ट होने वाली आत्मा है, ये नहीं समझना चाहिए। क्या समझना चाहिए? हम तो स्वदेशी, पक्की स्वदेशी। डबल विदेशी बन गए हैं अभी। बाबा ने हमको बनाया है सेवा करने के लिए। बाकी हम तो पक्का स्वदेशी हैं। पक्के निश्चयबुद्धि। ये हमेशा याद रखना चाहिए - आत्मा होती है। क्या? पक्का स्वदेशी। शरीर है स्वदेशी, विदेशी। इस शरीर ने यहाँ जन्म ले लिया तमिलनाडु में। तो उससे क्या आत्मा विदेशी हो गई?

जिज्ञासुः नहीं।

Baba: That happens in North India as well. They light fire in open in North India as well. In North India as well as South India. Why do you consider yourself a Muslim? Is the soul Muslim or is the body Muslim?
Student: The body.
Baba: The body is born in Tamilnadu in this birth. Have all the previous births been in Tamilnadu only?
Student: No, no.
Baba: Had you been born only in Tamilnadu in all the previous births, how could you have come to the advance [knowledge]? You have come in advance knowledge, it means that the good souls have been sent to foreign countries to do service. What? Do not think that you are *videshi* (foreigner). What? You should not think, we are souls who convert in *videshi* religions. What should you think? We are *swadeshi*, firm *swadeshi* (belonging to one's own country); we have become *double videshi* (double foreigner) now. Baba has made us [double *videshi*] for service. But we are firm *swadeshi*. We are the ones with a firm faithful intellect. We should always remember that it is the soul. What? [It is the soul which is] firm *swadeshi*. The body is *swadeshi* or *videshi*. This body is born here in Tamilnadu. So, did that make the soul *videshi*?
Student: No.

बाबाः हो गई?

जिज्ञासुः नहीं।

बाबाः अभी नहीं समझना ऐसे। ये स्वदेशी, विदेशी का बहुत झगड़ा चल रहा है एडवांस पार्टी में। क्या? ये दक्षिण भारत वाले सब विदेशी हैं। अरे तो आत्मा विदेशी है क्या? आत्मा तो पक्की स्वदेशी है। बाबा ने भेजा हुआ है इस आखरी जन्म में। किसलिए? (सबने कहा - सेवा करने के लिए।) कि विदेश की जाकरके सेवा करो। अच्छे-अच्छे हैंड्स विदेश में भेजे जाते हैं या खराब हैंड्स भेजे जाते हैं?

जिज्ञासुः अच्छे।

बाबाः जो अच्छे-अच्छे हैंड्स होते हैं वेदान्ती बहन जैसे, वो विदेश में भेजे जाते हैं। सबको थोड़े ही भेजेंगे। अभी कभी दिमाग में ये बात नहीं आनी चाहिए। क्या? कि बाबा ने हमको विदेशी बना दिया। नहीं। हम विदेशी हैं ही नहीं।

Baba: Did it become [*videshi*]?
Student: No.
Baba: Do not think like this now [onwards]. A big dispute is going on in the advance [party] on the topic of *swadeshi-videshi*. What? All these South Indians are *videshi*. *Arey*, is the soul

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

videshi? The soul is indeed firm *swadeshi*. Baba has sent you in this last birth. For what? (Everyone said: To do service.) So that you can go and do service in foreign. Are good *hands* sent to foreign country or bad *hands* sent?
Student: Good [hands].
Baba: Good *hands* like Sister Vedanti are sent to foreign countries. All will not be sent. Now this thought should not come in your intellect ever in future. What? That Baba has made us *videshi*. No. We are not at all *videshi*.

जिज्ञासुः ऐसे नहीं बाबा, जो हिन्दू लोग हैं ना, उन्होंने मां को पूजा करते हैं ना, अम्बा को पूजा करने वाले...
बाबाः हिन्दू?
जिज्ञासुः हिन्दू लोग यहाँ तमिलनाडु में ज्यादा से ज्यादा वो कोयले का ऊपर चलते हैं। ऐसा परम्परा चल रहा है। हिन्दू लोग भी ऐसे ही चल रहा है।
बाबाः हिन्दू लोग भी ऐसे ही करते?
जिज्ञासुः माँ की पूजा करने वाले ज्यादा से ज्यादा।
बाबाः माँ की पूजा करने वाले?
जिज्ञासुः हाँ।
बाबाः हाँ, जो माँ की पूजा करने वाले भी ज्यादातर राक्षस सम्प्रदाय हैं। मुरली में क्या बोला? देवी की पूजा करने वाले हैं...?
जिज्ञासुः राक्षस सम्प्रदाय।
Student: It is not so Baba; there are Hindus who worship the mother, who worship *Amba*…
Baba: Hindu?
Student: Here in Tamilnadu, most of the Hindus walk on burning coal. Such a tradition is going on. Hindus also are doing this.
Baba: Do the Hindus also do this?
Student: Mostly those who worship the mother.
Baba: Those who worship the mother?
Student: Yes.
Baba: Yes, those who worship the mother mostly belong to the demonic community. What has been said in the Murli? Those who worship the female deities are…?
Student: Demonic community.

बाबाः राक्षस सम्प्रदाय। रावण सम्प्रदाय। रावण सम्प्रदाय हैं क्या? इस्लामी क्रिश्चियन, मुस्लिम - ये सब क्या हैं? रावण सम्प्रदाय हैं। उन-उन धर्मों में जिनको कनवर्ट होना है वो ही देवी की पूजा करने वाले हैं।
जिज्ञासुः इसलिए भाई लोग पूछते हैं - इधर ऐसे परम्परा ज्यादा चलता है। इसलिए तमिलनाडु मुस्लिम धर्म खंड है क्या?
बाबा (बाबा ने सिर हिलाकर मना किया) धर्म खंड है। दक्षिण भारत है जैसे विदेश। विदेश माने धर्म खंड हो सकता है विदेशी। लेकिन वहाँ जो रहने वाली आत्मायें हैं वो सब नहीं हो

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

सकती हैं विदेशी। क्या विदेशों में भारतीय नहीं जाके रहते हैं? रहते हैं कि नहीं? अच्छे-अच्छे भारतीय वहाँ बाबा ने भेजे नहीं हैं सेवा करने के लिए?

जिज्ञासुः हां।

बाबाः ऐसे समझो कि बाबा ने हमारी आत्मा को आखिरी जन्म में यहाँ किसलिए भेजा है?

जिज्ञासुः सेवा के लिए।

बाबाः विदेशियों की सेवा करने कि लिए भेजा है। हम हैं नहीं विदेशी।

Baba: Demonic community, Ravan community. Who are those of Ravan's community? The people of Islam, Christians, Muslims, who are all these? They belong to the Ravan community. Those who are to *convert* to those religions, only they worship the *devi* (female deity).
Student: This is why the brothers are asking, such a tradition is going on here more. Therefore, is Tamilnadu a Muslim land?
Baba: (Baba said no by nodding his head). It is a religious land. South India is like a foreign country. *Videsh* means, it can be a *videshi* religious land, but all the souls living here cannot be *videshi*. Don't the Indians go and live abroad? Do they live or not? Hasn't Baba sent nice Indians over there for service?
Student: Yes.
Baba: Think that, Baba has sent our soul here in the last birth for what purpose?
Student: For service.
Baba: We have been sent to serve the foreigners. We are not foreigners [in reality].

जिज्ञासुः ये शूटिंग ब्रॉड में भी हम करेंगे ना बाबा?

बाबाः ब्रॉड शूटिंग हो तो रही है।

जिज्ञासुः ब्रॉड ड्रामा में?

बाबाः ब्रॉड ड्रामा में भी करेंगे एक दो जन्म। एक दो जन्म, हमेशा नहीं।

जिज्ञासुः एक दो जन्म वहाँ जन्म लेंगे या कन्वर्ट होंगे?

बाबाः वहाँ सेवा तो तब करेंगे जब पूर्व जन्म में तुमने जन्म लिया होगा। अगर पूर्व जन्मों में जन्म नहीं लिया होगा तो कहाँ से करेंगे? ये एडवांस में आने वाले एक ही जन्म तो लिया पूर्व जन्म। नहीं मालूम? यज्ञ के आदि में थे नहीं तुम?

जिज्ञासुः आदि में?

बाबाः थे कि नहीं? आदि में थे।

जिज्ञासुः थे।

बाबाः तो आदि में विदेशों की सेवा की होगी। उनकी सेवा करने के हिसाब से ही यहाँ जन्म मिल गया। थे तो सिंध हैदराबाद में, कराची में। तो सिंध हैदराबाद में सेवा तो की होगी उनकी। लेकिन जो सेवा की है, वो सेवा करने से भी कभी-कभी क्या होता है, अगर बाबा की याद न हो और सेवा हम करते रहें किसी आत्मा की, तो अटैचमेंट लग जाता है। अटैचमेंट के कारण यहाँ जन्म हो गया। क्या? अब अटैचमेंट खत्म कर दो। हाँ।

Student: We will perform this shooting in the broad [drama] as well, will we not?
Baba: Broad shooting is taking place.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: In the broad drama?
Baba: You will perform [the shooting] in the broad drama as well for one or two births. [Just for] one or two births; not always.
Student: Will we have one or two births there or will we convert?
Baba: You will serve there only when you have taken previous births there. If you had not been born there in the previous births at all, then how will you do [service]? Those who have come in the advance [knowledge] have taken only one birth in the past [in foreign land]. Don't you know? Were you not present in the beginning of the *yagya*?
Student: In the beginning?
Baba: Were you present or were you not? You were present in the beginning.
Student: We were.
Baba: So, in the beginning you would have served foreign countries. Because of serving them, you have received birth here. You were no doubt in Sindh Hyderabad, in Karachi. So, you must have served them in Sindh Hyderabad. But as regards the service you did, in the course of service what happens sometimes is that if you are not in Baba's remembrance and continue to do service of a soul, you develop *attachment*. Because of *attachment* you were born here. What? Now end that *attachment*. Yes.

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info